वर्ष-9, अंक-11, 1-15 जून, 2024 (पाक्षिक)

# चाणक्य वार्ता

ISSN 2456-1207

मूल्य : 25 रुपये

कुल पृष्ठ 40

राजभाषा हिन्दी की संपूर्ण अंतरराष्ट्रीय पत्रिका

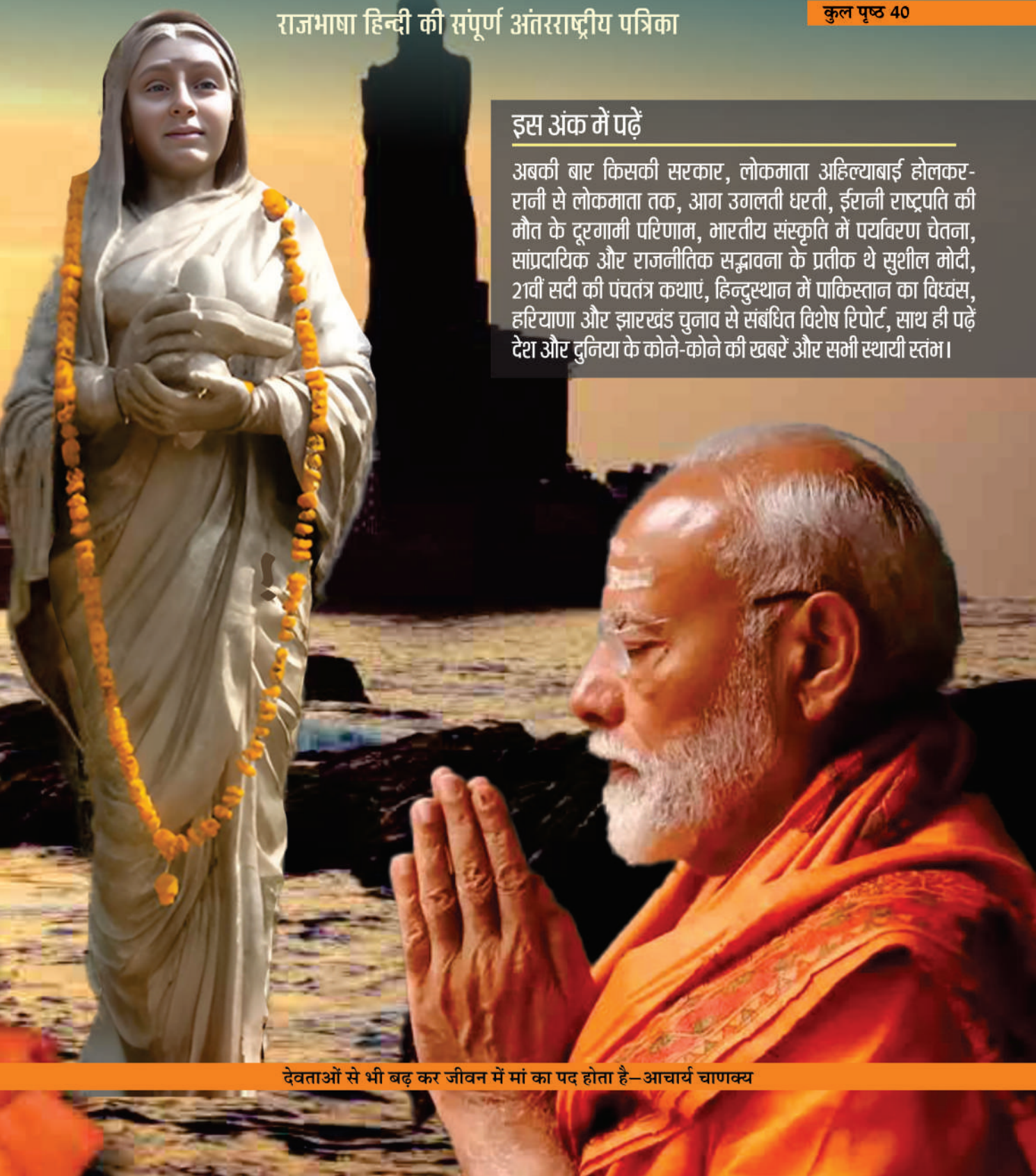

## इस अंक में पढ़ें

अबकी बार किसकी सरकार, लोकमाता अहिल्याबाई होलकर- रानी से लोकमाता तक, आग उगलती धरती, ईरानी राष्ट्रपति की मौत के दूरगामी परिणाम, भारतीय संस्कृति में पर्यावरण चेतना, सांप्रदायिक और राजनीतिक सद्भावना के प्रतीक थे सुशील मोदी, 21वीं सदी की पंचतंत्र कथाएं, हिन्दुस्थान में पाकिस्तान का विध्वंस, हरियाणा और झारखंड चुनाव से संबंधित विशेष रिपोर्ट, साथ ही पढ़ें देश और दुनिया के कोने-कोने की खबरें और सभी स्थायी स्तंभ।

देवताओं से भी बढ़ कर जीवन में मां का पद होता है—आचार्य चाणक्य

# चाणक्य वार्ता

सम्पूर्ण अंतरराष्ट्रीय पत्रिका

वर्ष : 9, अंक : 11, 1-15 जून, 2024

# अनुक्रम


05 सम्पादक के नाम पत्र

06 सम्पादक की कलम से

**राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय**

07 अबकी बार किसकी सरकार, चार जून का इंतजार : धीरेंद्र मिश्र

09 लोकमाता अहिल्याबाई होलकर- एक यात्रा : रानी से लोकमाता तक

10 देवी अहिल्याबाई होलकर (कविता) : लक्ष्मीनारायण भाला 'लक्खीदा'

12 आग उगलती धरतीः दोषी प्रकृति या हम? : योगेश कुमार गोयल

13 राम तुम्हारा रूप निहारूं (कविता) : डा. बी एल गौड़

14 भारतीय संस्कृति में पर्यावरण चेतना : डा. विनोद बब्बर

16 साम्प्रदायिक और राजनीतिक सद्भावना के प्रतीक– सुशील मोदी

18 युवाओं में नशे की लत और बढ़ते अपराध : अर्चना त्यागी

**नई दिल्ली कार्यालय**
मुख्यालय :
**'सन्निधि', ए-28, मनसाराम पार्क, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059**
कॉरपोरेट कार्यालय :
**321, तृतीय तल, वर्धमान मॉल, प्लॉट-2, सेक्टर-19, द्वारका, नई दिल्ली-110077**
सम्पर्क : 09871909808, 08571841127
ई-मेल : chanakyavarta@gmail.com

**उत्तर क्षेत्र कार्यालय**
**एस.सी.ओ. 24, द्वितीय तल, सेक्टर-11, पंचकूला, हरियाणा-134112**
सम्पर्क : 0172-4672424, 09466988764

**पूर्वोत्तर क्षेत्र कार्यालय**
**116, कॉमर्स हाउस, एम.जी. रोड, फैंसी बाजार निकट ऐक्सिस बैंक, गुवाहाटी, असम-781001**
सम्पर्क : 09101834214, 9864337619

**दक्षिण क्षेत्र कार्यालय**
**13, नल्लन्ना मुदली स्ट्रीट, साहुकारपेट, चेन्नई-600 079**
सम्पर्क : 9342302248, 9941245660



संरक्षक
**डॉ. योगेन्द्र नारायण** (पूर्व महासचिव, राज्यसभा)
कुलाधिपति, गढ़वाल विश्वविद्यालय
**लक्ष्मीनारायण भाला** (वरिष्ठ साहित्यकार)

परामर्श मंडल
**पद्मश्री डॉ. श्यामसिंह शशि**
(कुलाधिपति, रोमा विश्वविद्यालय)
**वेणुगोपालन** (वरिष्ठ पत्रकार)

सम्पादक मंडल
सम्पादक : **डॉ. अमित जैन**
राजनीतिक सम्पादक : **ओम् प्रकाश पाल**
उप सम्पादक : **सारांश कनौजिया**

संस्थापक राष्ट्रीय समन्वयक
**स्व. घनराज भाम्बी**
(वरिष्ठ पत्रकार– रक्षा सेनाएँ एवं अर्द्ध सैनिक बल)

राष्ट्रीय प्रचार-प्रसार प्रभारी
**दिलीप बैनर्जी**, कोलकत्ता

आर्थिक सलाहकार मंडल
**सी.ए. मन्त्रेश्वर कर्ण**
**सी.ए. स्वीटी जैन**

अन्तरराष्ट्रीय सलाहकार मंडल
**धर्मपाल महेन्द्र जैन**, टोरंटो, कनाडा
**कैलाश कंदोई**, सिलीगुड़ी, प. बंगाल

विधि सलाहकार मंडल
**योगेश कुमार** (चेयरमैन, नेचर व्यू)
**अजय नागर** (स्वतंत्र पत्रकार)

राज्य प्रभारी
उत्तर क्षेत्र प्रभारी—**विशाल शर्मा**, चंडीगढ़
पूर्वोत्तर क्षेत्र प्रभारी—**राजीब अगस्ती**, गुवाहाटी
दक्षिण क्षेत्र प्रभारी—**नवरतन पींचा जैन**, चेन्नई
पश्चिमी क्षेत्र प्रभारी—**आशा सिंह देवासी**, मुबई
पूर्वी क्षेत्र प्रभारी—**प्रकाश बेताला**, भुवनेश्वर
कर्नाटक प्रभारी—**हर्ष गोयल**, बेंगलुरु
तमिलनाडु प्रभारी—**जे.पी. ललवानी**, चेन्नई
मध्य प्रदेश प्रभारी—**लखनलाल चौरसिया**, भोपाल
पश्चिमी उ.प्र. प्रभारी—**अंकित जैन**, मेरठ

**राज्यों से**

19 हरियाणा– कांग्रेस की दुकान खाली, बीजेपी की जीत पक्की है : विशाल शर्मा

21 झारखंड – भाजपा के लिए भ्रष्टाचार तो हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी इंडी गठबंधन के लिए 'संजीवनी' : अमित झा

**श्रद्धांजलि**

20 श्री सुशील कुमार मोदी, श्रीमती माधवी राजे, श्री भगवत स्वरूप शर्मा

**चिंतन**

23 हिन्दुस्थान में पाकिस्तान का विध्वंस-दो
कांग्रेस और संघ : एक सिंहावलोकन-79 : कृष्णानंद सागर

24 आचार्य चाणक्य ने बताया धन का महत्व : रमेश जैन

**व्यंग्य**

28 इक्कीसवीं सदी की पंचतंत्र कथा : धर्मपाल महेंद्र जैन

**समीक्षा**

29 आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाता देश : सूर्य कांत शर्मा

**समाचार जगत**

31 चाणक्य वार्ता पाक्षिकनामा

32 खबरों में देश-विदेश : सोनम जैन

33 उत्तर भारत की खबरें : विशाल शर्मा/शैलेन्द्र जैन

34 पूर्वोत्तर भारत की खबरें : राजीब अगस्ती/डॉ. आलोक सिंह

35 दक्षिण भारत की खबरें : वेद प्रकाश पांडेय/ ईश्वर करुण

36 पश्चिम भारत की खबरें : आशा सिंह देवासी/धीरेन बरोट

**जॉब अलर्ट**

37 सरकारी नौकरियों में अवसर : सी.ए. स्वीटी जैन

**देश भर में 'चाणक्य वार्ता' के प्रतिनिधि**

राज्य ब्यूरो चीफ

**धीरेन्द्र मिश्र**, नई दिल्ली
**डॉ. अमर सिंहल**, जयपुर, राजस्थान
**शैलेन्द्र जैन**, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
**अजय भट्ट**, देहरादून, उत्तराखंड
**डॉ. गुलाब सिंह**, यमुना नगर, हरियाणा
**शरद छिब्बर**, चंडीगढ़
**रमेश गुप्ता**, उधमपुर, जम्मू-कश्मीर
**गुरुवचन सिंह**, शिमला, हिमाचल प्रदेश
**सतीश सिंह**, गुवाहाटी, असम
**डॉ. आलोक सिंह**, शिलांग, मेघालय
**शुभ्रांशु दाम**, धर्मनगर, त्रिपुरा
**तुंबन रीबा 'लीली'**, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश
**हुरुई जेलियांग**, दीमापुर, नागालैंड
**डॉ. ललमुआनओमा साइलो**, आईजोल, मिजोरम
**किरन कुमार**, इंफाल, मणिपुर
**डॉ. टी.बी. छेत्री**, गंगटोक, सिक्किम
**वेद प्रकाश पाण्डेय**, बेंगलुरु, कर्नाटक
**ईश्वर करुण**, चेन्नई, तमिलनाडु
**जी. गौरीशंकर**, हैदराबाद, तेलंगाना
**उमा महेश्वर रेड्डी**, विजयवाड़ा, आंध्रप्रदेश
**श्रीकांत कण्णन**, पुडुचेरी
**अरुण लक्ष्मण**, तिरुवन्तपुरम, केरल
**सुमन कुमार**, अहमदाबाद, गुजरात
**किशोर आपटे**, मुंबई, महाराष्ट्र
**विनायक भिषे**, सतारा, महाराष्ट्र
**विनोद कुशवाहा**, भोपाल, म.प्र.
**सियानंद मंडल**, पटना, बिहार
**गौतम चौधरी**, राँची, झारखंड
**अशोक नंदी**, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
**राजेन्द्रपाल शर्मा**, पोर्टब्लेयर, अंडमान निकोबार

नेशनल सोशल मीडिया हेड
**हेमन्त उपाध्याय**, नई दिल्ली

नेशनल मार्केटिंग हेड
**धीरेन बरोट**, नई दिल्ली

जिला ब्यूरो चीफ
**अविनाश पाठक**, नागपुर, महाराष्ट्र
**अनमोल जैन**, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
**सुनीता गोस्वामी**, मथुरा, उत्तर प्रदेश
**डॉ. डी.के. अस्थाना**, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
**संजय सक्सेना**, कानपुर, उत्तर प्रदेश
**सोनम जैन**, दिल्ली


**नोट** : देश के कोने-कोने में आप अपने समाचार पत्र हॉकर के माध्यम से घर बैठे 'चाणक्य वार्ता' पत्रिका मँगा सकते हैं। यदि आपको पत्रिका मिलने में कठिनाई होती है, तो आप 'चाणक्य वार्ता' के मुख्य प्रसार कार्यालय, नई दिल्ली में 08586858185 पर संपर्क कर सकते हैं अथवा *chanakyavarta@gmail.com* पर ई-मेल भी कर सकते हैं।

**प्रसार प्रबंधक**


© सर्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशित सामग्री के उपयोग के लिए लेखक, प्रकाशक की अनुमति आवश्यक है। प्रकाशित रचनाओं के विचार से 'चाणक्य वार्ता' पत्रिका का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अंतर्गत विचारणीय रहेंगे।



**इंटरनेशनल दिव्य परिवार सोसाइटी**, नई दिल्ली का पाक्षिक प्रकाशन

**चाणक्य वार्ता मीडिया प्रा.लि. का उपक्रम**

**स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अमित जैन के लिए विकास कम्प्यूटर एंड प्रिंटर्स, ट्रोनिका सिटी, लोनी, गाजियाबाद से मुद्रित एवं ए-28, मनसाराम पार्क, नई दिल्ली से प्रकाशित।**

सम्पादक : **अमित जैन।**

वेबसाइट : www.chanakyavarta.com

# सम्पादक के नाम पत्र

**आप सभी पाठकगण पत्रिका में प्रकाशित लेखों पर अपने विचार या कोई सुझाव हमें हमारी ई-मेल आईडी response50123@gmail.com पर भेज सकते हैं। स्थान की उपलब्धता के अनुसार हम आपके विचारों को शामिल करने का प्रयास करेंगे।**
**—सम्पादक 'चाणक्य वार्ता'**

चाणक्य वार्ता के 16 मई 2024 के अंक में पत्रिका के संपादक डॉ. अमित जैन ने अपने संपादकीय में अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर अपने विचार लिखे हैं। इसी आधार पर झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया। इसके पीछे मुझे लगता है कि दोनों पर लगे आरोपों में कुछ अंतर है। झारखंड के मुख्यमंत्री पर जमीन कब्जे का आरोप है, जिसमें जांच एजेंसी को कुछ रिकवरी नहीं दिखानी है। क्योंकि जमीन तो अपने स्थान पर मौजूद है। जबकि अरविंद केजरीवाल के मामले में करोड़ों रूपये का लेन-देन हुआ है। वो रूपये किस-किस से होते हुए आए और कहां गए यह ईडी को खोजना है। जब केजरीवाल को अंतरिम जमानत मिली थी, तब तक ईडी ने उनके खिलाफ पूरक चार्जशीट भी दाखिल नहीं की थी।

**नवरतन पिंचा जैन**
**चेन्नई, तमिलनाडु**

चाणक्य वार्ता में लोकसभा चुनाव के पहले तीन चरणों के मतदान पर डॉ. अमर सिंघल का लेख पढ़ा। उन्होंने बड़ी बारीकी से पूरे देश में इस लोकसभा चुनाव के अंदर क्या हुआ, इस पर अपने विचार रखे हैं। उन्होंने इस बार कम मतदान का कारण बढ़ती गर्मी को बताया है। अधिकांश लोग ऐसा ही कह रहे हैं। किंतु मेरा मानना है कि गर्मी तो पूरे देश के लिए है, लेकिन भारत के एक हिस्से में मतदान अच्छा हो रहा है, जबकि दूसरे हिस्से में कम। जैसा कि लेखक ने भी लिखा है कि महाराष्ट्र में अभी तक मतदान बहुत कम हुआ है। जबकि पश्चिम बंगाल, पूर्वोत्तर भारत सहित दक्षिण भारत के कई राज्यों में वोटिंग अच्छी रही। इसलिए कम से कम गर्मी तो कम मतदान का एकमात्र कारण नहीं हो सकती। इसी अंक में दक्षिण भारत के मतदान पर वहां के लोगों के विचार ईश्वर करुण द्वारा संकलित किए गए हैं। इन विचारों को पढ़कर ऐसा लगा कि इस बार दक्षिण भारत के चुनाव परिणाम पिछली बार से अलग होंगे। शायद ये परिणाम हमें चौंका भी सकते हैं। इसी अंक में जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव पर रमेश गुप्ता का लेख पढ़ा। इस बार यह चुनाव प्रदेश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। क्योंकि मतदान में दिख रहे उत्साह के कारण पिछले कई दशकों के रिकार्ड टूट रहे हैं।

**आशु जैन**
**बेंगलुरु, कर्नाटक**

चाणक्य वार्ता के 16 मई अंक में विभिन्न संप्रदायों के जनसंख्या अनुपात में आ रहे परिवर्तन पर श्याम जाजू का लेख पढ़ा। लेखक ने इस धार्मिक जनसंख्या असंतुलन पर अपनी चिंता व्यक्त की है। मुझे लगता है इस विषय पर उन लोगों को भी सोचना चाहिए, जिनके कारण यह समस्या हम सभी के सामने आई है। भारत के पास संसाधन सीमित हैं और उनका उपयोग करने वाले लगातार बढ़ रहे हैं। इससे सभी को समस्या होगी। दूसरी ओर जब कोई इस आधार पर जनसंख्या बढ़ाने की बात करता है कि हम अधिक होंगे, तो अधिक संसाधनों व अधिकारों की मांग कर सकेंगे। तो यह बात अन्य के लिए बहुत अधिक खतरनाक हो जाती है। अपने लेख में लेखक ने जिन चिंताओं का वर्णन किया है, यह समस्या उससे भी कहीं अधिक बड़ी है।

**अतुल मिश्रा**
**बनारस, उत्तर प्रदेश**

चाणक्य वार्ता में डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने अपने यात्रा वृतांत के माध्यम से स्पेन के बार्सिलोना क्षेत्र के बारे में बताया है। उनका वृतांत पढ़कर लगा कि पर्यटन की दृष्टि से यह बहुत ही आकर्षक स्थान है। लेखक ने यहां की लोककला और वास्तुकला के बारे में बताया, जो देखने लायक लगता है। लेखक ने बार्सिलोना के एक आंदोलन की बात भी लिखी है, जिसमें बताया गया है कि यह क्षेत्र स्पेन से अलग होना चाहता है क्योंकि संस्कृति और कई अन्य मायनों में इनकी परंपराएं स्पेन से नहीं मिलती। मैं समझता हूं कि उन्हें एक बार भारत की स्थिति का भी अध्ययन कर लेना चाहिए। सिर्फ विविधता अलग स्वायत्त देश बनने का कारण नहीं होनी चाहिए।

**निर्मल गुप्ता**
**भोपाल, मध्यप्रदेश**

चाणक्य वार्ता के 16 मई के अंक में बैटल ऑफ अबरडीन पर राजेंद्र पाल शर्मा का लेख पढ़ा। जहां तक मुझे पता है आज भी अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह में कई ऐसे स्थान हैं, जहां आदिवासी समाज के अतिरिक्त कोई और नहीं जा सकता। लेखक ने इस लेख में भारतीयों और अंग्रेजों के लिए सभ्य लोग शब्द प्रयोग किया है। किंतु आदिवासी जिन्हें मैं वनवासी कहना अधिक उपयुक्त समझूंगा को हम असभ्य नहीं मान सकते। उनकी भी एक सभ्यता है। लेख के अनुसार दूधनाथ ने अपने कैदी साथियों को बचाने के लिए इन वनवासियों से विश्वासघात किया और अंग्रेजों को सतर्क कर दिया। जिसके कारण वनवासी बैटल ऑफ अबरडीन हार गए। इस युद्ध में शायद कुछ कैदी मारे जाते, जैसा कि दूधनाथ को उम्मीद थी, लेकिन अंग्रेजों को भी अच्छा सबक मिलता। दूधनाथ अपने बचे हुए कैदी साथियों को भी वनवासी समाज में शामिल कर सकता था।

**महेश लुहार**
**जयपुर, राजस्थान**

चाणक्य वार्ता के 16 मई के अंक में हरियाणा की नायब सरकार पर आये एक राजनीतिक संकट पर विशाल शर्मा का लेख पढ़ा। इस वर्ष के अंत तक प्रदेश में विधानसभा चुनाव हो जाएंगे। ऐसे में मुझे नहीं लगता कि विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव लाने का प्रयास करेगा। लोकसभा चुनाव में बढ़त लेने के लिए निर्दलीय विधायकों के समर्थन वापसी को मुद्दा बनाया जा रहा है। हो सकता है कि जब भी विधानसभा चुनाव की घोषणा हो, तब यह विवाद फिर उठे। इसी अंक में चाणक्य वार्ता के 200वें अंक पर अनुपमा अग्रवाल की समीक्षा पढ़ी। यह अंक संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज विशेषांक के रूप में प्रकाशित किया गया था। संत श्री के बारे में जितना लिखा जाए, कम ही है। उनका समाधिमरण जैन समाज ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक अपूर्णीय क्षति है।

**दिनेश जैन**
**गांधीनगर, गुजरात**